Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2021 GISRRJ | Volume 4 | Issue 5 | ISSN : 2582-0095

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि एवं समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

डॉ0 मयानन्द उपाध्याय
शोध निर्देशक,
विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र, राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर,उत्तर प्रदेश।

रीमा
शोधकर्त्री,
एम.ए. शिक्षाशास्त्र, एम.एड्., नेट।

Article Info
Volume 4 Issue 5
Page Number: 38-44
Publication Issue :
September-October-2021
Article History
Accepted : 01 Sep 2021
Published : 30 Sep 2021

सारांश– प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि एवं समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना है। अध्ययन के उद्देश्य के रूप में प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि एवं समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययनकर्त्री द्वारा वाराणसी मण्डल के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षक–शिक्षिकाओं को जनसंख्या माना गया है। अध्ययनकर्त्री द्वारा वाराणसी मण्डल के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित प्राथमिक स्तर के विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा कर उक्त विद्यालयों में अध्यापनरत् 300 शिक्षक–शिक्षिकाओं का उद्देश्यपरक विधि से चयनित किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में आकांक्षा स्तर से तात्पर्य डॉ0 (श्रीमती) नसरीन एवं डॉ0 (श्रीमती) अफसाना अनीस द्वारा निर्मित 'टीचर आकूपेशनल एस्पीरेशन क्वेश्चनायर', डॉ0 प्रमोद कुमार और डी0एन0 मुथा द्वारा निर्मित 'कार्य संतुष्टि मापनी' तथा समायोजन को मापने के लिए डॉ0 एस0के0 मंगल द्वारा निर्मित शिक्षक समायोजन प्रश्नावली ''टीचर एडजेस्टमेण्ट इन्वेन्ट्री'' का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण हेतु पियर्सन गुणनफल–आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि–

1.प्राथमिक स्तर के शिक्षक– शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण पेशे के प्रति दृष्टिकोण, कक्षा शिक्षण, शिक्षण विधि, शिक्षण के अलावा कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ तथा सम्पूर्ण कार्य संतुष्टि से सम्बन्धित नहीं है अर्थात् इनमें कोई सहसम्बन्ध नहीं है।

2.प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा प्रशासनिक और विद्यालय के सामान्य वातावरण के साथ समायोजन, व्यावसायिक सम्बन्धों पर आधारित समायोजन, व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन, आर्थिक समायोजन और कृत्य संतोष तथा सम्पूर्ण समायोजन के साथ धनात्मक सहसम्बन्ध है जबकि समाज–मनो–शारीरिक समायोजन का शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर के मध्य कोई सहसम्बन्ध नहीं है।

की–वर्ड– प्राथमिक स्तर, शिक्षक–शिक्षिकाएँ, आकांक्षा स्तर, कार्य संतुष्टि, समायोजन, सहसम्बन्ध।

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

प्रस्तावना– वास्तव में अध्यापक ही किसी राष्ट्र के भाग्य के निर्णायक होते हैं। वे राष्ट्र के वास्तविक शिल्पकार होते हैं। किसी राष्ट्र की महानता उसकी ऊँची–ऊँची इमारत, विशाल परियोजनाओं तथा विशाल सेनाओं पर निर्भर नहीं करती है बल्कि किसी राष्ट्र की महानता का स्वतः परीक्षण उसके नागरिकों की गुणवत्ता से होती है। यदि एक राष्ट्र अपने नवयुवकों को चरित्रवान बनाकर और उनके अन्दर राष्ट्रप्रेम उत्पन्न कर सके तो वह सभी क्षेत्रो में तेजी से प्रगति करने में सफल हो जायेगा। शिक्षण व्यवसाय को नवयुवकों के संरक्षण में सौंप दिया जाय और यदि ऐसा करना है तो उसके लिए शिक्षकों का यह परम व पवित्र कर्त्तव्य है कि छात्रों को अच्छा नागरिक बनाने के लिए उन्हें अच्छी प्रकार की शिक्षा प्रदान करें। इस प्रकार अध्यापक अपनी देखभाल में सौंपे गये बालकों पर ध्यान देकर, भारत के भविष्य का निर्माण करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शिक्षा किसी देश की सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक उन्नयन तथा सांस्कृतिक उन्नति व स्थानान्तरण में परिवर्तन लाने का एक अति प्रभावशाली उपकरण है। हमारे देश में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से शिक्षा का विकास एवं विस्तार अद्भुत रहा है और यह देश के भविष्य के लिए एक अच्छा संकेत है। शिक्षा का उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब शिक्षण व्यवसाय में जाने वाले लोग सुयोग्य, प्रतियोगी, प्रशिक्षित तथा शिक्षण व्यवसाय में अत्यधिक रुचि लेने वाले हों। दुर्भाग्यवश इस तेजी से बदलते विश्व में इस तरह के शिक्षकों का मिलना बहुत कठिन है। नये वैज्ञानिक युग की चुनौतियों तथा सामाजिक आवश्यकताओं के लिए अप–टू–डेट शिक्षकों की आवश्यकता होती है।

वर्तमान पाठ्य–पुस्तकों का जो निर्माण हो रहा है उसमें विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं मूल्यों से सम्बन्धित तथा वैज्ञानिक एवं संचार प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित है। अतः प्रशिक्षित शिक्षकों का शिक्षण कौशल अधिक कारगर साबित होता है। जहाँ अप्रशिक्षित शिक्षक इन पाठ्य–पुस्तकों को समझने में असमर्थ है वहीं उनके आकांक्षा स्तर, समायोजन एवं कार्य–संतुष्टि में अभाव देखने को मिल रहा है।

आकांक्षा स्तर, समायोजन एवं कार्य संतुष्टि एक–दूसरे के पूरक है। जिन शिक्षकों में उच्च आकांक्षा स्तर होता है उनमें समायोजन एवं कार्य संतुष्टि की कमी देखा जाता है। शिक्षकों में आकांक्षा स्तर, कार्य संतुष्टि एवं समायोजन का महत्वपूर्ण योगदान होता है, जहाँ शिक्षक संतुष्ट रहेगा उसकी शिक्षणशीलता अधिक प्रभावी होगी। प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में असंतुष्टि का प्रभाव देखने को मिलता है जहाँ उन्हें अन्तार्जनपदीय सेवारत शिक्षकों में असंतुष्टि एवं समायोजन में दिक्कत आ रही है, वहीं उचित विद्यालयों में नियुक्त न मिलना, सड़क के अन्दर ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय स्थित होना, ग्रामीण क्षेत्र में जातिवाद की भावना, बच्चों का स्कूल न आना, ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का शिक्षक के प्रति अच्छा व्यवहार न होना, विद्यार्थियों की अनुपस्थिति एवं शिक्षिकाओं का विद्यालय आने–जाने में होने वाली दिक्कते, उनके कार्य संतुष्टि के साथ–साथ उनके समायोजन को प्रभावित करती है।

वर्तमान में शिक्षकों की शिक्षा के प्रति सपर्मण भाव का कम होना स्वाभाविक है। अतः अध्ययनकर्त्री ने अपने अध्ययन के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया है कि क्या प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर, कार्य संतुष्टि एवं समायोजन में सम्बन्ध है कि नहीं?

अध्ययन का उद्देश्य– प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया गया है–

- प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।

- प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना– उपर्युक्त उद्देश्यों के आधार पर निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

- प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
- प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

शोध–विधि– प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या– अध्ययनकर्त्री द्वारा वाराणसी मण्डल के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षक–शिक्षिकाओं को जनसंख्या माना गया है।

न्यादर्श– अध्ययनकर्त्री द्वारा वाराणसी मण्डल के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित प्राथमिक स्तर के विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा कर उक्त विद्यालयों में अध्यापनरत् 300 शिक्षक–शिक्षिकाओं का उद्देश्यपरक विधि से चयनित किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण–प्रस्तुत अध्ययन में आकांक्षा स्तर से तात्पर्य डॉ0 (श्रीमती) नसरीन एवं डॉ0 (श्रीमती) अफसाना अनीस द्वारा निर्मित 'टीचर आकूपेशनल एस्पीरेशन क्वेश्चनायर', डॉ0 प्रमोद कुमार और डी0एन0 मुथा द्वारा निर्मित 'कार्य संतुष्टि मापनी' तथा समायोजन को मापने के लिए डॉ0 एस0के0 मंगल द्वारा निर्मित शिक्षक समायोजन प्रश्नावली ''टीचर एडजेस्टमेण्ट इन्वेन्ट्री'' का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी विधि–प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण हेतु पिर्यसन गुणनफल–आघूर्ण सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

उद्देश्य–1 प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

क्र0सं0	आकांक्षा स्तर एवं कार्य संतुष्टि	सहसम्बन्ध गुणांक r (N=300)
1	आकांक्षा स्तर एवं शिक्षण पेशे के प्रति दृष्टिकोण	0.025
2	आकांक्षा स्तर एवं कक्षा शिक्षण	-0.109
3	आकांक्षा स्तर एवं शिक्षण विधि	-0.078
4	आकांक्षा स्तर एवं शिक्षण के अलावा कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ	0.022
5.	आकांक्षा स्तर एवं कार्य संतुष्टि	-0.066

.05 स्तर पर असार्थक

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण पेशे के प्रति दृष्टिकोण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.025 है जो .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण पेशे के प्रति दृष्टिकोण के साथ सम्बन्धित नहीं है। अतः शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके शिक्षण पेशे के प्रति दृष्टिकोण में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित नहीं है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि की विमा कक्षा शिक्षण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान –0.109 है जो .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके कार्य संतुष्टि की विमा कक्षा शिक्षण के साथ सम्बन्धित नहीं है। अतः शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके कक्षा शिक्षण में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित नहीं है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण विधि के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान –0.078 है जो .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण विधि के साथ सम्बन्धित नहीं है। अतः शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके शिक्षण विधि में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित नहीं है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण के अलावा कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.022 है जो .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण के अलावा कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ के साथ सम्बन्धित नहीं है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके शिक्षण के अलावा कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित नहीं है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान –0.066 है जो .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके कार्य संतुष्टि के साथ सम्बन्धित नहीं है। अतः शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके कार्य संतुष्टि में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित नहीं है।

उद्देश्य–2 प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

क्र0 सं0	आकांक्षा स्तर एवं समायोजन	सहसम्बन्ध गुणांक r (N=300)
1	आकांक्षा स्तर एवं प्रशासनिक और विद्यालय के सामान्य वातावरण के साथ समायोजन	1.000*
2	आकांक्षा स्तर एवं समाज–मनो–शारीरिक समायोजन	-0.003
3	आकांक्षा स्तर एवं व्यावसायिक सम्बन्धों पर आधारित समायोजन	0.164*
4	आकांक्षा स्तर एवं व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन	0.164*
5.	आकांक्षा स्तर एवं आर्थिक समायोजन और कृत्य–संतोष	0.170*

6.	आकांक्षा स्तर एवं सम्पूर्ण समायोजन	1.000*

*.05 स्तर पर सार्थक

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा प्रशासनिक और विद्यालय के सामान्य वातावरण के साथ समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 1.000 है जो . 05 स्तर पर सार्थक है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके समायोजन की विमा प्रशासनिक और विद्यालय के सामान्य वातावरण के साथ समायोजन के साथ सम्बन्धित है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके समायोजन की विमा प्रशासनिक और विद्यालय के सामान्य वातावरण के साथ समायोजन में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा समाज–मनो–शारीरिक समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान –0.003 है जो .05 स्तर पर असार्थक है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके समायोजन की विमा समाज–मनो–शारीरिक समायोजन के साथ सम्बन्धित नहीं है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके समायोजन की विमा समाज–मनो–शारीरिक समायोजन में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित नहीं है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा व्यावसायिक सम्बन्धों पर आधारित समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.164 है जो .05 स्तर पर सार्थक है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके समायोजन की विमा व्यावसायिक सम्बन्धों पर आधारित समायोजन के साथ सम्बन्धित है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके समायोजन की विमा व्यावसायिक सम्बन्धों पर आधारित समायोजन में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.164 है जो .05 स्तर पर सार्थक है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके समायोजन की विमा व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन के साथ सम्बन्धित है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके समायोजन की विमा व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा आर्थिक समायोजन एवं कृत्य–संतोष के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.170 है जो .05 स्तर पर सार्थक है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके समायोजन की विमा आर्थिक समायोजन एवं कृत्य–संतोष के साथ सम्बन्धित है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके समायोजन की विमा आर्थिक समायोजन एवं कृत्य–संतोष में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान 1.000 है जो .05 स्तर पर सार्थक है। अतः प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा का उनके समायोजन के साथ सम्बन्धित है। अतः शिक्षक– शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर में वृद्धि एवं कमी उनके समायोजन में वृद्धि एवं कमी के साथ सम्बन्धित है।

निष्कर्ष– अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

- प्राथमिक स्तर के शिक्षक– शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि की विमा शिक्षण पेशे के प्रति दृष्टिकोण, कक्षा शिक्षण, शिक्षण विधि, शिक्षण के अलावा कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ तथा सम्पूर्ण कार्य संतुष्टि से सम्बन्धित नहीं है अर्थात् इनमें कोई सहसम्बन्ध नहीं है।
- प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन की विमा प्रशासनिक और विद्यालय के सामान्य वातावरण के साथ समायोजन, व्यावसायिक सम्बन्धों पर आधारित समायोजन, व्यक्तिगत जीवन के साथ समायोजन, आर्थिक समायोजन और कृत्य संतोष तथा सम्पूर्ण समायोजन के साथ धनात्मक सहसम्बन्ध है जबकि समाज–मनो–शारीरिक समायोजन का शिक्षक–शिक्षिकाओं की आकांक्षा स्तर के मध्य कोई सहसम्बन्ध नहीं है।

प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके कार्य संतुष्टि से सहसम्बन्ध नहीं है। समान परिणाम **यादव, मुलायम सिंह एवं सिंह अंजली (2020)** के अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि कार्य संतुष्टि और शिक्षकों की आकांक्षा स्तर के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है। प्राथमिक स्तर के शिक्षक–शिक्षिकाओं के आकांक्षा स्तर का उनके समायोजन से सहसम्बन्ध है। **गुप्ता (1977)** ने यह इंगित किया है कि शिक्षण की सफलता शिक्षक के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में समायोजन के साथ सार्थक रूप से सम्बन्धित होती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अग्रवाल, मीनाक्षी (1991), जॉब सटीस्फैक्सन ऑफ टीचर्स इन रिलेशन टू सम डेमोग्राफिक वैरिएवुल्स एण्ड वैल्यूज, पी–एच0डी0 शिक्षाशास्त्र, आगरा विश्वविद्यालय।
2. अली यासिन एवं अन्य (2016). टीचर मोटिवेशन एण्ड स्कूल परफार्मेन्स, द मेडिएटींग इफेक्ट ऑफ जॉब सैट्सिफैक्शन : सर्वे फ्राम सेकेण्डरी स्कूल्स इन मोगादिशु, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड सोशल साइंस, वॉ0 3, नं0 1, पृ0 24–38
3. उपाध्याय, रंजना एस. (1993). ए स्टडी ऑफ द एडजेस्टमेन्ट सक्सेस एस रिलेटेड टू द पर्सनालिटी, एडजेस्टमेन्ट, जॉब सेटिसफेक्शन, एक्सपीरियन्स एण्ड रिस्क टेकिंग विहैवियर ऑफ द आईदर सेक्स प्रिन्सिंपलस ऑफ डिफरेन्ट टाइप ऑफ सेकेण्डरी स्कूल्स इन मूरादाबाद डिविजन ऑफ उत्तर प्रदेश, शोध प्रबन्ध (शिक्षाशास्त्र), बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी।
4. उपाध्याय, रंजना एस. (1993). ए स्टडी ऑफ द एडजेस्टमेन्ट सक्सेस एस रिलेटेड टू द पर्सनालिटी, एडजेस्टमेन्ट, जॉब सेटिसफेक्शन, एक्सपीरियन्स एण्ड रिस्क टेकिंग विहैवियर ऑफ द आईदर सेक्स प्रिन्सिंपलस ऑफ डिफरेन्ट टाइप ऑफ सेकेण्डरी स्कूल्स इन मूरादाबाद डिविजन ऑफ उत्तर प्रदेश, शोध प्रबन्ध (शिक्षाशास्त्र), बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, www.shodhganga.com
5. ए.जे. सेनीवोलिबा (2013). टीचर मोटिवेशन एण्ड जॉब सैट्सिफैक्शन इन सीनियर हाईस्कूल्स इन द टाम्पले मेट्रोपोलिस ऑफ घाना, मेरिट रिसर्च जर्नल्स, वॉ0 1(9), पृ0 181–196

6. एन.एन. प्रहलाद एवं एस. सन्दीप (2015). ए स्टडी ऑन जॉब सेटिसफेक्शन रिलेटेड टू एटीट्यूड टूवर्ड टीचिंग ऑफ प्री–यूनिवर्सिटी टीचर्स, *इण्डियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च*, वॉल्यूम–5, इश्शू–5, पृ0 19–21 |

7. केसरवानी, रितेश कुमार (2018). उच्च शिक्षा स्तर पर वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों के व्यावसायिक अभिवृत्ति, कार्य संतुष्टि एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, नेहरू ग्राम भारती (मानित वि0वि0), प्रयागराज

8. Yadav, Mulayam Singh & Singh, Anjali (2020). Job satisfaction and Aspiration level of Primary School Teachers in Uttar Pradesh: With special reference to Ambedkar Nagar District. International Journal of Creative Research Thoughts : An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal, Vol. 8, Issue 11.